लैपटॉप-कंप्यूटर व दवा उत्पादन क्षेत्र को 22,350 करोड़ का प्रोत्साहन

पीएलआई योजना...छह साल में 6.22 लाख करोड़ का उत्पादन लक्ष्य

नई दिल्ली। सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का दायरा बढ़ाते हुए लैपटॉप, व्यक्तिगत कंप्यूटर (पीसी), टैबलेट और दवा उत्पादन क्षेत्र को भी शामिल कर लिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को इन क्षेत्रों के लिए 22,350 करोड़ की प्रोत्साहन राशि को मंजूरी दी।

4.40

लाख करोड़ के पीसी-टैबलेट व दवा निर्यात का बनाया लक्ष्य

केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बताया कि घरेलू उत्पादकों को बढ़ावा देने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के मुकाबले के लिए हार्डवेयर और चिकित्सा विनिर्माण को प्रोत्साहन दिया जाएगा। योजना के जरिये चार साल में 6.22 लाख करोड़ का उत्पादन लक्ष्य है। इसमें 3.26 लाख करोड़ का उत्पादन लैपटॉप-पीसी क्षेत्र में और 2.94 लाख करोड़ का दवा क्षेत्र में किया जाएगा। हार्डवेयर में पीएलआई योजना चार साल और फार्मा क्षेत्र में छह साल लागू रहेगी। इस दौरान दोनों क्षेत्रों में कुल 4.40 लाख करोड़ का निर्यात लक्ष्य रखा है, जिसमें 2.45 लाख करोड़ का हार्डवेयर निर्यात होगा। दवा उत्पादन में भी छह साल के भीतर 1.94 लाख करोड़ का निर्यात किया जाएगा। योजना में आईटी उत्पादकों को 4% प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं, फार्मा में पहले चार साल में 10%, पांचवें साल 8% और छठे साल 6% का प्रोत्साहन मिलेगा। एजेंसी

2.80 लाख को मिलेगा रोजगार

योजना के तहत छह साल में 2.80 लाख को रोजगार मिलेगा। इसमें 1.80 लाख रोजगार हार्डवेयर उत्पादन में और 1 लाख दवा विनिर्माण क्षेत्र से मिलने का अनुमान है। प्रोत्साहन के जरिये आईटी क्षेत्र को 2,700 करोड़ का अतिरिक्त निवेश और दवा क्षेत्र को 15,000 करोड़ का निवेश मिलने की उम्मीद है। घरेलू उत्पादकों के साथ ही वैश्विक कंपनियों को भी योजना का लाभ देंगे। इसके लिए उन्हें देश में उत्पादन इकाई स्थापित करनी होगी। सरकार के खजाने में भी 15,760 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व आएगा।

अभी 33 हजार करोड़ का लैपटॉप-टैबलेट आयात

भारतीय बाजार की मांग पूरा करने के लिए अभी सालाना 29,470 करोड़ के लैपटॉप और 2,870 करोड़ के टैबलेट का आयात होता है। योजना में 2025 तक आईटी हार्डवेयर का उत्पादन 20-25% बढ़ेगा। पीएलआई योजना न सिर्फ 10 खरब डॉलर डिजिटल अर्थव्यवस्था का लक्ष्य पाने में मददगार बनेगी, बल्कि 2025 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 50 खरब डॉलर के लक्ष्य तक भी पहुंचा सकती है।

घरेलू उपभोक्ताओं को मिल सकती हैं सस्ती दवाएं

पीएलआई के जरिये फार्मा क्षेत्र में उत्पादन बढ़ने से न सिर्फ भारतीय दवा उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा का मुकाबला कर सकेगा, बल्कि घरेलू उपभोक्ताओं को सस्ती दवाएं और चिकित्सा उपकरण भी मिलेंगे। योजना के तहत 5 हजार करोड़ से ज्यादा राजस्व वाली कंपनियों को 11,000 करोड़ प्रोत्साहन, जबकि 500 से 5,000 करोड़ वाली कंपनियों को 2,250 व 500 करोड़ से कम को 1,750 करोड़ का प्रोत्साहन देंगे। भारतीय फार्मा क्षेत्र अभी 40 अरब डॉलर का है।